दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 04.02.2026

प्रकाशनार्थ

यूथ पावर एसोसिएशन एवं गंगा समग्र गोरक्ष प्रान्त द्वारा "जल है तो कल है" विषय पर कार्यशाला का आयोजन

गोरखपुर 04.02.2026। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सभागार में यूथ पावर एसोसिएशन एवं गंगा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में "जल है तो कल है" विषय पर एक कार्यशाला एवं संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण, जल प्रबंधन तथा भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित जल उपलब्धता को लेकर जन–जागरूकता फैलाना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्वांचल के प्रख्यात पर्यावरणविद एवं मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य प्रो. गोविंद पांडेय रहे। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने कहा कि जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। उन्होंने "जितनी आवश्यकता, उतना पानी" का संकल्प दिलाते हुए कहा कि जल की प्रत्येक बूंद अमूल्य है। उन्होंने गिरते भू–जल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण तथा दैनिक जीवन में जल की बचत को अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राघवेंद्र कुमार (महाप्रबंधक, जल–कल) ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में जल प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन चुका है। उन्होंने जलापूर्ति सुधार, लीकेज नियंत्रण एवं जल संरक्षण हेतु चलाई जा रही योजनाओं में जन–सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

वहीं आशीष जायसवाल (जिला परियोजना अधिकारी, नमामि गंगे, गोरखपुर) ने कहा कि नमामि गंगे परियोजना का उद्देश्य केवल नदियों की सफाई नहीं, बल्कि नदी संस्कृति को पुनर्जीवित करना है। उन्होंने युवाओं से नदियों को स्वच्छ रखने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

राजकिशोर, संयोजक गंगा समग्र गोरक्ष प्रान्त, ने गंगा सहित सभी नदियों की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु उपस्थित जनसमूह को संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि जल के बिना जीवन, सभ्यता और विश्व कल्याण की कल्पना असंभव है। शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे छात्रों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करें और जल संरक्षण को जीवन–आचरण का हिस्सा बनाएं।

यूथ पावर एसोसिएशन के अध्यक्ष शिव प्रसाद शुक्ला ने विषय प्रस्तावना रखते हुए बढ़ते जल संकट पर चिंता व्यक्त की तथा संगठन द्वारा चलाए जा रहे जन–जागरूकता अभियानों की जानकारी दी। डॉ. पवन पाण्डेय ने जल संरक्षण को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया।

कार्यक्रम का संचालन अतुल कृष्ण मिश्र ने किया तथा डॉ. कमलेश कुमार मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम राष्ट्रहित एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रो. परीक्षित सिंह, अविनाश धर दुबे, अमन सिंह, नैना सिंह, राहुलदेव, आदित्य पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं, शिक्षकगण एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कैंपस एंबेसडर कार्यक्रम के तहत "जल रक्षक" नियुक्त– कार्यक्रम के दौरान दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों को जल संरक्षण मुहिम को कैंपस से कम्युनिटी तक ले जाने हेतु कैंपस एंबेसडर प्रोग्राम के अंतर्गत "जल रक्षक" नियुक्त किया गया।

जल रक्षक नियुक्त– डॉ. मुदित दुबे, डॉ. प्रणव पाण्डेय, डॉ. कौशल, डॉ. गौरव पाण्डेय, विकास पाठक, विवेकानंद विश्वकर्मा, अंजल कुमार यादव, अंतिमा पाठक, काजल निषाद, अंजली सैनी, अनामिका मौर्या, काजल सिंह, मानसी पांडेय एवं अंकित मद्धेशिया।

उक्त कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ. शैलेश कुमार सिंह ने दी।

(डॉ. शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क